रात्री क्लास ओमशान्ति 2-10-67

इस बारी की मैगजीन बहुत अच्छी है। दिन प्रति दिन तो समझानी अच्छी मिलती ही रहती है। तो मैगजीन भी सुधरती रहती है। बच्चों को डैरेक्शन भी मिलती ही रहती है। इस बारी शिव जयन्ती की हौली डे भी गवर्मेन्ट ने रखी है। फिर भी पत्र लिखना चाहिए कि इनका (शिव का) स्टैम्प निकालना चाहिए। एक बार त्रिमूर्ती शिव का चित्र भेज देना चाहिए। और महिमा लिखनी चाहिए। इनका स्टैम्प तो जरूर होना चाहिए। यह भारत को सतयुग का वर्सा देते हैं। विश्व का मालिक बनाने। ऐसे समझा कर लिखना चाहिए। लिखेंगा वही जिनको अच्छा शौक है सर्विस का। फिर इसकी कापी भी प्रन्त में भेज देनी चाहिए। चिफ मिनिस्टर आद के पास। मोस्ट बिलवेड गाड फादर जो सर्व का सदगति दाता है इनका स्टैम्प निकालना चाहिए। इस समय भारत की सर्विस कर रहे हैं। कुछ न कुछ ब्रह्माकुमारियों के पत्र जाते रहने चाहिए। ऐसा कुछ करना जरूर चाहिए। जो आवाज निकले। बाप भी आवाज करते हैं ना मनमना भव का। अर्थात स्वर्ग की स्थापना राजयोग से कर रहे हैं। जिनको नशा रहता है वह युक्तियां निकालते हैं। ब्रह्माकुमारियां भारत की खास विश्व की आम सेवा कर रही हैं। ऐसे नोट कर लिखना चाहिए भारत को सतयुगी विश्व का राज्य देते हैं बाकि जो धर्म हैं उनको मुक्ति देते हैं। अर्थात सब को दुःख से लिबरेट कर सुख, शान्ति देते हैं। इनका स्टैम्प जरूर होनी चाहिए। भारत में ही शिव जयन्ती मनाई जाती है। कुछ न कुछ लिखा तो ऐसे हो जावेंगा। भाई-बहनों को भी जगाना है। सब कुम्भकरण के नींद में सोये पड़े हैं। मुख्य है याद की यात्रा जिस से ही बेरा पार होगा। दैवी गुण भी जरूर धारण करने हैं। आसुरी गुण सब निकल जाने चाहिए तब उंच पद पा सकेंगे। बच्चों को तो बहुत सहज बताते हैं बाप को याद करो। मौत सामने सब के लिए है। बाप कहते हैं यह मुक्तिधाम जाने का है। तो अब मुझे याद करो तो पावन बन जावेंगे। घर में सेन्टर खोल मित्र सम्बंधियों आद को समझाना है। 5 विकारों से भी हटाना है। अचानक मर जाते हैं कुछ भी हासिल नहीं होता है। बहुतों के पैसे बरबाद हो जाते हैं। पैसे बैंक आद में ही रह जाते हैं। इस समय तो पैसे पुरानी दुनिया से नई दुनिया भेज देनी है। बाप तो खावेंगे नहीं। कहते हैं तुम अपने पैसे नई दुनिया में ट्रान्सफर कर दो। यहाँ पैसे पदम हो जावेंगा। तुम कौड़ी से पदम बनते हो बाप की याद से। और कोई तकलिफ नहीं। जितना धन है इसके नशे में रहते है। मरना भी है शिव बाबा की याद में। और कुछ भी याद न रहना चाहिए। खाना तो मिलता ही रहेंगा। जास्ती है तो कुछ जमा कर दो। सेन्टर खोलो या मदद करो। अब तुमको फलाद ले है। स्वर्ग में। सायंस वाले तो मून आद में जाते हैं। गरीब मातायें बोलती हैं यह दो चार पैसा भी देते हैं स्वर्ग में अशर्फियां देना। बाप गरीब निवाज है ना। भारत को भी शाहुकार बनाते हैं। गरीबों को ही वर्सा मिलता है। करोड़ पति आद नहीं। बाप बहुत सहज रास्ता बताते हैं। अपन को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो। तुम सब आत्माओं का बाप एक है। कहते हैं गृहस्थ व्यवहार में रहते पवित्र बनना है। छोटी2 दुनिया में रहते कमल फूल समान बनो। तुम समझाते हो पहले हम आत्मा हैं। ऐसे बाप भूल को अभूल बनाते हैं। ऐसे भोले लवली बाप को एक भी नहीं जानते हैं। ऋषि-मुनि आद भी नेती2 करते गये हैं। अंत को नहीं जानते। इनका स्टैम्प तो भारत में जरूर होना चाहिए। फिर भल त्रिमूर्ति बना दे। अपना बनाया हुआ चित्र उनको भेज देना चाहिए। अभी भी यह बनी आप का यह ईश्वरीय जन्म सिध अधिकार है। विश्व का रचता बाप ही है। सेन्सीबुल बच्चों की बुधि में बैठता है। जांच करना चाहिए स्टैम्प के उपर कौन है। बाप को साबित करना चाहिए। समझाते है हम कर सकते हैं पर नहीं करते तो पद भी कम। कोशिश करनी चाहिए अच्छा पद पाने। हैं तो पैसे से सुखा ना। अब बाप तुमको आयु भी निरोगी देते हैं। अपन से घड़ी2 पूछना चाहिए बाप को याद करते हैं। समय वेस्ट किया तो न अपना न औरों का कल्याण कर सकते हैं। जो समझाना चाहिए वह ब्रह्माकुमारियां समझाती नहीं है। इसलिए कोई तार लगता नहीं। यह सब से सहज कमाई है। मनुष्य रात दिन माथा मारते हैं। तुम घर बैठे खाते पीते हो बाप को याद करते रहो। कहाँ फंसना न चाहिए। तुम्हारी इंजाम है। कोई विकर्म न करना है। बाप के डैरेक्शन पर चलना है। नहीं तो गिर पड़ेंगे। बहुत थोड़ा पद पावेंगे। अच्छा! गुड नाईट।